CLASS-IV HINDI II FOR II UNIT

पाठ-10 चेतक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए-

प्र०1- राणा प्रताप के घोड़े का क्या नाम था ?

उ०- राणा प्रताप के घोड़े का नाम चेतक था।

प्र०2- राणा प्रताप के घोड़े से किसका पाला पड़ गया था ?

उ०-राणा प्रताप के घोड़े से हवा का पाला पड़ गया था।

प्र०3- कविता के कवि का नाम बताइए।

उ०- कविता के कवि श्याम नारायण पांडेय जी हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र०1- शत्रु सेना उसे देख चकित क्यों रह गई ?

उ०- चेतक के रण- कौशल को देखकर शत्रु सेना चकित रह गई।

प्र०2- घोड़े की क्या विशेषताएँ थी ?

उ०- चेतक युद्ध के मैदान में राणा प्रताप के इशारे पर मुड़ जाता था और हवा की भाँति गतिमान रहता था। वह अपनी टापों से शत्रु सेना पर प्रहार भी करता था।

प्र०3- हवा से ज़रा-सी लगाम हिलने पर चेतक क्या करता था ?

उ०- हवा से ज़रा-सी लगाम हिलने पर चेतक तुरंत मुड़ जाता था और राणा प्रताप को लेकर तीव्र गति से भागने लगता था।

पाठ-11 टिटहरी और समुद्र

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

प्र०1-टिटहरी का जोड़ा कहाँ रहता था ?

उ०- टिटहरी का जोड़ा समुद्र के तट पर रहता था।

प्र०2-टिटहरी और समुद्र के संवाद को सुनकर कौन आया ?

उ०- टिटहरी और समुद्र के संवाद को सुनकर अगस्त्य ऋषि आए।

प्र०3- समुंद्र कब और क्यों भयभीत हो गया ?

उ०- ऋषि अगस्त्य ने क्रोधित होकर जब समुद्र को समाप्त करने के भाव से अपने तपोबल से उसे हथेली पर ले लिया तो वह भयभीत हो गया।

प्र०4- मनुष्य को किस का कृतज्ञ होना चाहिए ?

उ०- मनुष्य को अपने जीवन के लिए ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए।

प्र०5- पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ?

उ०- अपने बल का मिथ्या अभिमान नहीं करना चाहिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र०1- टिटहरी के अंडो को किसने और कैसे छुपा लिया ?

उ०- टिटहरी के अंडे को समुंद्र ने अपने अथाह जल के अंदर छुपा लिया।

प्र०2- समुंदर ने टिटहरी का मज़ाक उड़ाते हुए क्या कहा ?

उ०- समुंद्र ने टिटहरी का मज़ाक उड़ाते हुए कहा-"तुम्हारा यह प्रयास व्यर्थ है, हम इतने शक्तिशाली और विशाल हैं, जिसको तुम क्या इस संसार में कोई सुखा नहीं सकता।"

प्र०3- समुद्र को सुखाने के लिए टिटहरी ने क्या किया ?

उ०- समुद्र को सुखाने के लिए टिटहरी ने निश्चय किया कि मैं समुंद्र को बालू से पाठ कर सुखा दूँगी।वह लगातार अपनी चोंच में बालू भरकर समुद्र में डालने लगी और यह कार्य नित्य करने लगी।

प्र०4- टिटहरी ने समुद्र को क्या उत्तर दिया ?

उ०- टिटहरी ने समुद्र से कहा-"मैं अपने अंडों को पाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहूँगी, यही नहीं जब तक मेरे प्राण है तब तक संघर्ष करती रहूँगी।"

प्र०5- महर्षि ने समुद्र से क्या कहा ?

उ०-महर्षि ने समुद्र से कहा-"कभी किसी कमज़ोर को सताना नहीं चाहिए और अपने बल का मिथ्या अभिमान नहीं करना चाहिए।"

पाठ-12 वनों का महत्व

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

प्र०1- यदि पेड़-पौधे न हों तो संसार के सब जीव-जंतुओं का क्या होगा ?
उ०- यदि पेड़-पौधे ना हों तो संसार के सब जीव-जंतुओं का जीवन समाप्त हो जाएगा।
प्र०2- वृक्ष की हर पत्ती किसके समान काम में जुटी रहती है ?
उ०- वृक्ष की हर पत्ती मानव की भाँति काम में जुटी रहती हैं।
प्र०3-पेड़-पौधे किस की धरोहर है ?
उ०- पेड़-पौधे समाज की धरोहर हैं।
प्र०4- वनों की महत्ता का गुणगान कहाँ किया गया है ?
उ०-वनों की महत्ता का गुणगान इस कहानी में किया गया है।
प्र०5- एक पेड़ काटने पर कितने नए वृक्ष लगाने का प्रण लेना होगा ?
उ०- एक पेड़ काटने पर दो नए वृक्ष लगाने का प्रण हमें लेना होगा।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र०1- संसार के समस्त प्राणियों का जीवन वनों पर कैसे निर्भर है ?
उ०- संसार के समस्त प्राणियों का जीवन वनों पर ही निर्भर है क्योंकि पेड़-पौधे ही जीवन का आधार है। मनुष्य अन्न, फल और शाक- सब्जी खाते हैं। यह सब वस्तुएँ पेड़-पौधों से मिलती हैं।
प्र०2- वन जीव-जंतुओं के लिए वायु का संतुलन कैसे बनाए रखते हैं ?
उ०- जब हम श्वास लेते हैं तब शुद्ध वायु को अंदर ले जाते हैं और नि:श्वास के साथ अशुद्ध वायु को बाहर निकालते हैं।वृक्ष और पौधे सूर्य के प्रकाश में पत्तियों की सहायता से अशुद्ध वायु से अपना भोजन बनाते हैं और शुद्ध वायु को बाहर निकालते हैं।रात में यह शुद्ध वायु को अंदर लेते हैं और अशुद्ध वायु को बाहर निकालते हैं। इस प्रकार वन जीव-जंतुओं के लिए वायु का संतुलन बनाए रखते हैं।
प्र०3- व्यापारी वृद्ध को देखकर आश्चर्य चकित क्यों हुआ ?
उ०- व्यापारी वृद्ध को देखकर आश्चर्य चकित हुआ क्योंकि इस अवस्था में वह वृक्षारोपण का कार्य कर रहा था।
प्र०4-वृक्षों को 'हरा सोना' क्यों कहा गया है ?
उ०- वनों के महत्व को स्वीकारते हुए आज के युग के वृक्षों को 'हरा सोना' कहां गया है।
प्र०5-हमें वनों की रक्षा किस प्रकार करनी होगी ?
उ०- हमें वनों की रक्षा करने के लिए उनकी कटाई को रोकना होगा और अधिक से अधिक वृक्ष भी लगाने होंगे।

पाठ-13 झटपट सिंह

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

प्र०1- अध्यापिका ने कौन-सी कविता याद करने के लिए दी थी ?
उ०- अध्यापिका ने 'हठ कर बैठा चाँद एक दिन' कविता याद करने के लिए दी थी।
प्र०2- बस स्टॉप पर खड़ा निशीथ क्या सोच रहा था ?
उ०- निशीथ मन-ही-मन सोच रहा था कि आज इतने ज़ोरदार ढंग से कविता सुनाऊँगा कि क्लास के बच्चे तो क्या, मैडम भी हैरान रह जाएँगी।
प्र०3- आशीष ने झटपट सिंह को क्या याद दिलाया ?
उ०-"अरे! झटपट सिंह, भूल गए आज शनिवार है, रोज़ वाली ड्रेस क्यों पहनी ?आज तो विवेकानंद हाउस वाली पीली शर्ट पहनी थी न तुम्हें ?"
प्र०4-बस पर चढ़ते समय झटपट सिंह के साथ क्या हुआ ?
उ०-बस पर चढ़ते समय झटपट सिंह के कपड़े फट गए थे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

प्र०1- निशीथ का नाम झटपट सिंह कैसे पड़ा ?
उ०- एक दिन पेड़ पर चढ़ने का खेल खेलते समय सभी बच्चे पेड़ पर सँभल कर चल रहे थे जबकि निशीथ ने कहा-"देखो, अभी मैं सबसे ऊँची डाल पर चढ़कर दिखाता हूँ"और तब झट से सबसे ऊँची डाल पर चढ गया। तभी से इसको सभी बच्चे झटपट सिंह कहने लगे।
प्र०2- असेंबली में पहुँचते ही लड़कों ने निशीथ को फटफट सिंह कहना क्यों शुरू कर दिया ?
उ०-असेंबली मे पहुँचते ही लड़कों ने निशीथ को फटफट सिंह कहना शुरू कर दिया क्योंकि निशीथ की शर्ट और निकर दोनों फट गए थे।
प्र०3- झटपट सिंह के पास आते ही आशीष ने क्या कहा ?
उ०- झटपट सिंह के पास आते ही आशीष ने कहा-"अरे! झटपट सिंह, भूल गए आज शनिवार है, रोज़ वाली स्कूल ड्रेस क्यों पहनी ? आज तो विवेकानंद हाउस वाली टी-शर्ट पहननी थी ना तुम्हें?"
प्र०4- माँ ने निशीथ को क्या समझाया ?
उ०- माँ ने प्यार से सिर पर हाथ फेरते हुए समझाया-"खुद को ज़रा बदलो निशीथ। इतनी जल्दबाज़ी भी ठीक नहीं।"